

## Padma Shri



### **SHRI SANATAN RUDRA PAL**

Shri Sanatan Rudra Pal is a renowned Indian sculptor whose mastery in the art of sculpture, especially for the majestic & towering “Rudrani” (angry goddess) Durga idols sculpted with immaculate anatomical perfection, has earned him national and international acclaim.

2. Born on 1<sup>st</sup> March, 1955, Shri Pal’s journey into the world of sculpture began at a young age. His art was driven by his innate passion for creativity and artistic expression. He started his journey in idol making at a very tender age of 10. His skills and talent were nurtured under the guidance of his uncle Shri Rakhal Pal (recipient of President Gold Medal) and subsequently his father Shri Mohan Banshi Rudra Pal. His early exposure to the rich cultural heritage of India, steeped in mythology, folklore, and tradition, laid the foundation for his distinctive artistic vision.

3. Shri Pal parted ways in his youth and came out from the influence of his predecessors to emerge as a successful entrepreneur in the field of art and sculpture. His studio, Jayanti Art Museum, Kolkata, provides livelihood to almost a hundred artisans today (with numbers going up during the peak season). His meticulous craftsmanship has drawn the attention of even those living abroad and therefore, his idols get delivered abroad based on the demands received. This underlines his role, not just as an iconic sculptor, but also in providing a sense of economic stability to the group of workers/artisans belonging to informal/unorganised sector of dis-economy. Moreover, his artistry has gained more prominence in light of the fact that Durga Puja in Kolkata has been inscribed on the UNESCO's Representative List of the Intangible Cultural Heritage (ICH) of Humanity in 2021, thereby making it the first festival in Asia to achieve this feat (courtesy Ministry of Culture). He keeps himself abreast of the recent developments and adapts to the changing requirements of the society. For instance, keeping in mind the burning issues of climate change and sustainable development the idols of different deities made by him are eco-friendly to ensure no water pollution at the time of immersion.

4. The contributions of Shri Pal in the field of sculpture have been recognized with numerous awards and honours like Asian Paints Sharad Samman, Berger Paints Sharad Samman, etc.

## पद्म श्री



### श्री सनातन रुद्र पाल

श्री सनातन रुद्र पाल एक प्रसिद्ध भारतीय मूर्तिकार हैं, जिन्हें मूर्तिकला, विशेषकर सटीक और श्रेष्ठ शारीरिक पूर्णता के साथ ओजस्वी और विशाल "रुद्राणी" (कुपित देवी) दुर्गा की मूर्तियां गढ़ने में महारत हासिल है। अपनी मूर्तिकला के लिए, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा अर्जित की है।

2. 1 मार्च, 1955 को जन्मे, श्री पाल की मूर्तिकार के रूप में यात्रा कम आयु में ही शुरू हो गई। उनकी यह कला रचनात्मक और कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रति उनके सहज उत्साह से प्रेरित थी। उन्होंने 10 वर्ष की उम्र में ही मूर्ति निर्माण शुरू कर दिया था। उनके कौशल और प्रतिभा का पल्लवन उनके चाचा श्री राखल पाल (राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता) और उसके बाद उनके पिता श्री मोहन बंशी रुद्र पाल के मार्गदर्शन में हुआ। पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और परंपरा से भरपूर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से उनके शुरुआती परिचय ने उनकी विशिष्ट कलात्मक संकल्पना की नींव रखी।

3. श्री पाल ने युवावस्था में ही अपनी अलग शैली चुनी और वह अपने पूर्ववर्तिकलाकारों के प्रभाव से बाहर निकलकर कला और मूर्तिकला के क्षेत्र में एक सफल उद्यमी के रूप में उभरे। उनका स्टूडियो, जयंती कला संग्रहालय, कोलकाता, आज लगभग सौ कारीगरों को आजीविका प्रदान करता है। उनके श्रेष्ठ शिल्प कौशल ने विदेशों में रहने वाले लोगों का भी ध्यान आकर्षित किया है और मांग के आधार पर उनकी मूर्तियों को विदेशों में भेजा जाता है। इससे न केवल एक प्रतिष्ठित मूर्तिकार के रूप में, बल्कि अनौपचारिक/असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों/कारीगरों के समूह को आर्थिक स्थिरता प्रदान करने में भी उनकी भूमिका उजागर होती है। इसके अलावा, इस तथ्य को देखते हुए उनकी कलाकारी को और अधिक प्रसिद्धि मिली है कि कोलकाता की दुर्गा पूजा को 2021 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला यह एशिया का पहला त्यौहार है। वह वर्तमान घटनाक्रम पर नजर रखते हैं और समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार खुद को ढाल लेते हैं। उदाहरण के लिए, वह जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के ज्वलंत मुद्दों को ध्यान में रखते हैं और उनके द्वारा बनाई गई विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां पर्यावरण के अनुकूल हैं ताकि उनके विसर्जन से जल प्रदूषण न हो।

4. मूर्तिकला के क्षेत्र में श्री पाल के योगदान को एशियन पेंट्स शरद सम्मान, बर्जर पेंट्स शरद सम्मान आदि जैसे कई पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं।